

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, नोहर (हनुमानगढ़)

(पीठासीन अधिकारी भागीरथ शाख आर.ए.एस.)

निगरानी प्र० सं० 13/2018

1. सुमन देवी पत्नी ओमप्रकाश जाति खाती निवासी बिरकाली तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।

– प्रार्थी

बनाम्

1. राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामेश्वरलाल जाति खाती निवासी बिरकाली तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
2. ग्राम पंचायत बिरकाली जरिये सरपंच ग्राम पंचायत बिरकाली तहसील नोहर।
3. अध्यक्ष प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर तहसील नोहर।

– अप्रार्थीगण

निगरानी विरुद्ध निर्णय प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति
नोहर दिनांक 14.05.2018

उपस्थिति:— श्री मदनमोहन जोशी अधिवक्ता, प्रार्थी

श्री हवासिंह पुनियां अधिवक्ता, अप्रार्थी

निर्णय

दिनांक :

संक्षेप में निगरानी प्रार्थी की ओर से निम्न प्रकार से हैं :—

1. निगरानीधीन निर्णय दिनांक 14.05.2018 प्रकरण संख्या 25/2016 बअनवानी राजेन्द्र बनाम सुमन देवी आदि बअदालत प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर विधि की अवहेलना में बिना किसी दस्तावेजी साक्ष्य का परीक्षण किये बिना किया गया है। जो अपास्तीय है।
2. प्रार्थीया के पक्ष में दिनांक 10.01.2009 को जारी पट्टा शुदा भूखण्ड में उत्तर में 25 फुट दक्षिण 25 फुट पूर्व में 33 फुट व पश्चिम में 25 फुट क्षेत्र की जगह का पट्टा बना हुआ है। उक्त पट्टा ग्राम पंचायत बिरकाली तहसील नोहर द्वारा विधिवत तौर से प्रार्थीया के पक्ष में जारी किया गया है। उक्त पट्टा शुदा जगह ग्राम बिरकाली की आबादी भूमि में ग्राम पंचायत बिरकाली द्वारा जारी किया गया है। उक्त पट्टे शुदा भूखण्ड गली जगह

अतिरिक्त जिला कलक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)

का भाग कभी नहीं रहा है। अप्रार्थी ने महज मातहत अदालत के समक्ष अपील का आधार बनाने हेतु तथ्य अभिकथित किये है गैरसायल के घर का मुख्य दरवाजा उसके रिहायशी मकान के पूर्वी दिशा में उत्तर से दक्षिण गुजरने वाली गली में खुलता है तथा उक्त दरवाजे से गैरसायल का अपने घर में बिना किसी विघन बाधा से सुचारु रूप से आवागमन होता आ रहा है। गैरसायल प्रार्थीया को तंग व परेशान करने की नियत से अपने उक्त रिहायशी मकान का एक दरवाजा सायल के भूखण्ड के दक्षिण दिशा में स्थित अपनी निजी गली में सायल द्वारा अपने भूखण्ड के दक्षिण दिशा में गैरसायल सायल की दिवार तौड़कर जबरदस्त गेट आदि निकालना चाहा तब प्रार्थीया ने न्यायालय सिविल न्यायाधीश नोहर के यहा वाद व स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया तथा दीवानी प्रकरण स0 145/16 दिनांक 18.01.2018 सुमन बनाम पूर्णराम में यथास्थिति के आदेश पारित हुये उक्त आदेश के जैरकार रहते मातहत अदालत ने अपीलाधीन निर्णय गैर कानूनी ढंग से स्थगन आदेश की अवहेलना में पारित किया है जो अपास्तनीय है।

3. मातहत अदालत के समक्ष प्रार्थीया द्वारा स्पष्ट रूप से प्रकट किया गया था कि निगरानीधीन भूखण्डों पर उसका पुराना कब्जा है जिस पर निर्माण किया हुआ है एवं पुराने समय से ही उक्त दोनों भूखण्डों के पट्टा स0 40 व 46 दिनांक 10.01.2009 प्रार्थीया का पुराना कब्जा है तथा चार दीवारी मय मकानात के कायम है। पुराना कब्जा के आधार पर ही ग्राम पंचायत ने विधिक प्रक्रिया अपनाकर नियमानुसार पट्टे जारी किये गये है। उक्त दोनों पट्टे गली की जगह के नहीं है गली पृथक रूप से कायम है, जो खाली है उसमें सुचारु रूप से आवागमन होता आ रहा है। पट्टे शुदा जगह पर कभी भी गली नहीं रही है। मातहत अदालत ने सही तौर से मौका निरीक्षण नहीं किया मौका रिपोर्ट अधूरी व अस्पष्ट एवं एक पक्षीय तथा बिना कोरम के हस्ताक्षर किये बिना ही तैयार की है जो टेबल रिपोर्ट है तथा वास्तविकता के अन्दर कोई मौका मुआयना नहीं किया गया है इसलिए निगरानीधीन निर्णय अपास्तनीय है।

4. मातहत अदालत ने राजस्थान पंचायत राज0 नियम 1996 के नियम 157 के तहत पुराने गृहय के विनियमितिकरण का पट्टा प्रार्थीया के पक्ष में जारी होना स्वीकार किया है तथा पट्टा 46 आम गली का होना बताया है व पट्टा स0 40 की दक्षिण हिस्सा की भूमि सम्मिलित करते हुए जारी करना बताया गया है। जबकि प्रार्थीया के पक्ष में जारी पट्टे


अतिरिक्त जिला कलक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)

शुदा भूखण्डों पर निर्माण व चार दीवारी पुराने समय से ही निर्मित है तथा सिविल न्यायालय मे जैरकार वाद व प्रार्थना पत्र स्थगन आदेश में प्रस्तुत सर्व कमिश्नर की रिपोर्ट से पूर्णतया स्पष्ट है। सायल का मकान आबादी भूमि में है तथा मातहत अदालत द्वारा वाद भूमि का नाप जोखा सही तरीके से नहीं किया गया है। अड़ौसी पड़ौसी की भूमि व पट्टो का नाप नहीं किया गया केवल प्रार्थीया को तंग व परेशान करने हेतु समस्त कार्यवाही की गई है। किसी पड़ौसी का मकान कितने साईज का है उसके आगे गली कितने फुट चौड़ाई है उक्त पट्टो में दर्ज है। उक्त समस्त तथ्य मातहत अदालत ने स्पष्ट नहीं किये। केवल गैरसायल को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से निगरानीधीन निर्णय एक पक्षीय तौर से विवेकिय मस्तिष्क प्रयोग किये बिना पारित किया गया है जो अपास्तनीय है।

5. अप्रार्थी का प्रार्थीया के पक्ष में जारी पट्टो का ज्ञान शुरू से ही था तथा दिनांक 27.11.2016 को पता चलने का तथ्य अप्रार्थी ने मनगढ़त तहरीर किया है। मातहत अदालत के समक्ष मियाद प्रार्थना पत्र मे सही व सन्तोषजनक तथ्य नहीं थे। सर्वप्रथम मियाद प्रार्थना पत्र निस्तारित करना चाहिए था। मातहत अदालत ने उपरोक्त कानूनी बिन्दु को नजर अन्दाज कर निगरानीधीन निर्णय पारित किया है जो अपास्तनीय है।
6. मातहत अदालत द्वारा पारित निर्णय दिनांक 14.05.2018 अपील स0 25/16 प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर द्वारा पारित नहीं किया गया है केवल कार्यालय पंचायत समिति नोहर द्वारा पारित किया गया है तथा प्रशासन एवं स्थापना समिति के अध्यक्ष द्वारा निर्णय पारित नहीं है ना ही निर्णय पर अध्यक्ष के हस्ताक्षर है तथा बिना कमेटी गठित किये बिना कोरम के तथा अध्यक्ष की गैर माजूदगी में निगरानीधीन निर्णय बिना किसी क्षेत्राधिकार के पारित किया गया है जो अपास्तनीय है।

निगरानी प्रार्थीया पेश कर निवेदन है कि निगरानी प्रार्थीया स्वीकार फरमाई जाकर निगरानीधीन निर्णय दिनांक 14.05.2018 प्रकरण स0 25/2016 बअनवानी राजेन्द्र बनाम सुमन देवी आदि बअदालत प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर अपास्त फरमाया जावें।


निगरानी पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की गई। अप्रार्थी की तलबी की गई। बहस अधिवक्ता उभयपक्ष सुनी गई।


अतिरिक्त जिला कलक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)

प्रार्थी अधिवक्ता ने निगरानी मीमों में उल्लेखित बिन्दुओं को दोहराते हुए निवेदन किया कि प्रार्थीया को दिनांक 10.01.2009 को पट्टा संख्या 40 पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 157 के तहत ग्राम पंचायत द्वारा आबादी भूमि में से विधिवत रूप से जारी किया गया था। गली में से पट्टा जारी करने का आक्षेप निराधार है तथा गली से संबंधित कोई साक्ष्य भी पेश नहीं किये एवं अपील देशी से पेश करने का कोई कारण भी नहीं बताया। अपीलार्थियों द्वारा अधीनस्थ न्यायालय में आबादी भूमि का नक्शा एवं सचिव तथा सरपंच की रिपोर्ट पेश नहीं की। स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर निर्णय पारित कर दिया। इस संबंध में सिविल न्यायालय में भी वाद जैरकार था जिससे संबंधित दस्तावेज अधीनस्थ न्यायालय में पेश किये थे इसके बावजूद अधीनस्थ न्यायालय ने अपील में निर्णय पारित कर दिया। आरआरटी 2006 पेज न० 824 का न्यायिक दृष्टांत पेश कर निगरानी स्वीकार करने का निवेदन किया।

अधिवक्ता अप्रार्थी ने बहस में निवेदन किया कि प्रार्थीया निगरानीकार को ग्राम पंचायत बिरकाली द्वारा विनियमितकरण का पट्टा स० 40 दिनांक 10.01.2009 को 572.22 वर्गगज का जारी किया गया है जो गली की भूमि को मिलाकर जारी किया गया है। प्रार्थीया स्वयं ने यह भूखण्ड 10 साल पूर्व महावीर जाखड़ निवासी बिरकाली से खरीदा है। प्रार्थीया को उक्त भूखण्ड पर काबिल हुए 50 वर्ष से अधिक का समय नहीं हुआ है। इसलिए विनियमितकरण का पट्टा विधि विरुद्ध जारी किया गया है। ग्राम पंचायत को 572.22 वर्गगज का पट्टा जारी करने का क्षेत्राधिकार नहीं है। अप्रार्थी को निर्माण कार्य शुरू करते समय उक्त पट्टे की जानकारी प्राप्त हुई तत्पश्चात समयावधी में विधि विरुद्ध जारी पट्टे को खारिज करवाने हेतु अधीनस्थ न्यायालय में अपील पेश की। सिविल कोर्ट में विचाराधीन वाद स्थाई निषेधाज्ञा का है, भूखण्ड के स्वामित्व से संबंधित नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय ने मौका निरीक्षण कर विधि सम्मत निर्णय पारित किया है। अतः निगरानी खारिज की जावें।

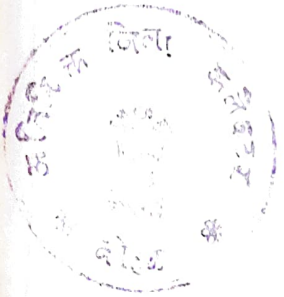
बहस पर मनन किया। पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया। उपरोक्त विवेचनानुसार स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत बिरकाली द्वारा प्रार्थीया निगरानीकार को दिनांक 10.01.2009 को पट्टा संख्या 40 तादादी 572.22 वर्गगज का राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 157 के तहत विनियमितकरण का पट्टा


अतिरिक्त जिला कलक्टर
बोडर (हनुमानगढ़)

जारी किया गया है। पंचायतीराज नियम 1996 के प्रावधानों के अनुसार ग्राम पंचायत 572.22 वर्गगज का पट्टा जारी करने में सक्षम नहीं है। पत्रावली में उपलब्ध मौका निरीक्षण रिपोर्ट एवं मौका नक्शा के अनुसार पट्टा आंशिक रूप से गली की भूमि को शामिल कर जारी किया जाना जाहिर होता है, जो कि विधि सम्मत नहीं है। प्रार्थीया द्वारा सिविल न्यायालय में प्रस्तुत वाद पूर्णाराम पुत्र निकुराम के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा का व अन्य विवाद बिन्दू (गली में दरवाजा निकालने व रैम्प बनाने आदि से संबंधित) बाबत पेश किया गया है।

अतः उक्त विवेचनानुसार अधीनस्थ न्यायालय प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर द्वारा पारित निर्णय दिनांक 14.05.2018 में हम किसी प्रकार के हस्तक्षेप एवं परिवर्तन की आवश्यकता नहीं समझते हैं। अतः निगरानी प्रार्थी स्वीकार योग्य नहीं होने के कारण खारिज की जाती है।

अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख मय निर्णय प्रति लौटायी जावें। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील जाब्ता दफ्तर दाखिल हों। निर्णय मेरे द्वारा टंकित करवाया जाकर आज दिनांक 14.10.2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



14/10/2021
(भारगीरथ शाख आर.ए.एस.)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
आतिरिक्त जिला कलेक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)
नोहर (हनुमानगढ़)